जुलाई-सितंबर 2019
ISSN: 2321-0443
UGC Care List Journal No. 20
ई-संस्करण सहित

ज्ञान गरिमा सिंधु

अंक : 63

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
शिक्षा मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा विभाग)
भारत सरकार
Commission for Scientific and Technical Terminology
Ministry of Education (Department of Higher Education)
Government of India

अनुक्रमाणिका

संपादकीय

आलेख	लेखक	पृष्ठ संख्या
खंड-I (वैचारिक परिप्रेक्ष्य)		
1. भारतीय संघीय व्यवस्था और अम्बेडकर	मनोज कुमार शुक्ल	1
2. भगत सिंह का सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन	राजन तिवारी	8
3. गांधी दर्शन में धर्म तथा राजनीति	आरती	15
4. 21वीं सदी में नवमानववाद की प्रासंगिकता	अखलाख अहमद डॉ. शाजिया प्रवीन	21
खंड-II (शिक्षा एवं समाज)		
5.अम्बेडकर का शिक्षा दर्शन	सुधांशु शेखर	26
6.छात्रों के सीखने और प्रदर्शन की गुणवत्ता का विश्लेषणात्मक अध्ययन	मोजफ्फर इस्लाम	33
7. नई शिक्षा नीति प्रारुप 2019 में दिव्यांगों के लिए प्रावधान	सौरभ राय **मो. फैजुल्ला खाँ**	42
8.पूर्व विद्यालयी शिक्षा की अधिगम संस्कृति	रवनीत कौर एवं ऋषभ कुमार मिश्र	48
9.भारतीय शिक्षा के पश्चिमीकरण के प्रारंभिक प्रयास: एक आलोचनात्मक अध्ययन	प्रवीण कुमार तिवारी	56
खंड-III (स्त्री-विमर्श)		
10.उदारवादी लोकतंत्र के विकास में नारी : आरंभिक मुद्दे एवं संघर्ष	कृष्ण मोहन कुमार दुबे	63

8. पूर्व विद्यालयी शिक्षा की अधिगम संस्कृति

ऋषभ कुमार मिश्र*
रवनीत कौर**

वर्तमान में पूर्व विद्यालयी शिक्षा की महत्ता को नीतिगत स्तर पर स्वीकार किया जा चुका है। प्रस्तावित शिक्षा नीति में भी पूर्व विद्यालयी शिक्षा को बच्चों के समग्र विकास के लिए अपरिहार्य माना गया है। इसके अनुसार स्वास्थ्य के साथ-साथ संज्ञानात्मक विकास के लिए पूर्व विद्यालयी शिक्षा की ठोस और व्यापक संरचना आवश्यक है। प्रस्तावित नीति इसके लक्ष्यों को उद्घाटित करती है और यह भी सम्भावना है कि निकट भविष्य में पूर्व विद्यालयी शिक्षा भी बच्चों का मूलाधिकार होगी. पूर्व में हुए अध्ययन बताते हैं की इस दिशा में भारत की उपलब्धि उत्साहजनक लेकिन समस्या है कि इस तरह की शिक्षा को प्रयोग में उतारना। इस लेख में नई तालीम के सिद्धान्त पर संचालित आनंद निकेतन स्कूल की पूर्व विद्यालयी शिक्षा के प्रयासों का विश्लेषण किया गया है। यह विश्लेषण इस दृष्टि से औचित्यपूर्ण है कि ग्रामीण परिवेश में 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए समग्र शिक्षा का आयोजन कैसे हो? इसमें समुदाय, विद्यालय और शिक्षक की क्या भूमिका है ? कैसे बच्चों के शरीर, बुद्धि और हृदय का समेकित विकास किया जाए?

यह लेख एक वृहद् शोध परियोजना का हिस्सा है। इस हेतु आंकड़ों का संकलन सहभागी अवलोकन विधि द्वारा किया गया है। अभिभावकों और शिक्षकों का साक्षात्कार भी लिया गया है। प्रदत्त संकलन के लिए कक्षा, खेल के मैदान और भोजनालय में शोधकर्ता द्वारा शिक्षिका के साथ सहभागिता की गई है। शोध के लिए चयनित विद्यालय (आनंद निकेतन) नई तालीम द्वारा संचालित है। यह विद्यालय गांधी द्वारा स्थापित सेवाग्राम आश्रम में स्थित है। यहां के पूर्व प्राथमिक खंड में 30 विद्यार्थी पढ़ते हैं। इस खंड के लिए तीन शिक्षिकाएँ नियुक्त हैं। सभी विद्यार्थी आसपास के गांव से आते हैं। इनमें लड़के और लड़कियों की भागीदारी लगभग बराबर है। यदि सामाजिक- आर्थिक दृष्टि से देखे तो समूह मिश्रित है। यहां सेवाग्राम मेडिकल कॉलेज के शिक्षकों, कर्मचारियों के बच्चे आते हैं तो सेवाग्राम के किसानों और श्रमिकों के बच्चे भी आते हैं। स्कूल की फीस न्यूनतम हैं।

बालवाड़ी की दिनचर्या

* शिक्षा विभाग, महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र
** सहायक प्रोफेसर माता सुन्दरी कॉलेज, दिल्ली